इकतारा बोले

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)
9394290204

क्या सही क्या गलत ?

निशुल्क या मुफ्त देना उचित है या अनुचित? इतना अजीब सा सवाल तुम्हारे मन में कैसे आया? जनता को मुफ्त बांटने पर अब तर्क-वितर्क होने लगे हैं।

बांटने दो! क्या जाता है? सारा कुछ मुफ्त बांटते जाएँ तो इसका कहीं भी तो अंत होगा न?

बांटा जाने वाला सारा नेताओं का धन और पार्टी फंड ही तो है। इससे किसी का क्या नुकसान होगा? जनता का ही नुकसान है। पार्टी फंड, प्रत्याशियों के अपने पैसों को चुनाव में टॉफियों जैसे बांटकर थोक में वोट हासिल करना पुरानी बात हो गई है। अब तो जनता का पैसा ही, जनता को बांटने वाला पुनर्चक्रीय प्रक्रिया वही रीसाइक्लिंग टेक्निक शुरू हो गई है।

यह तो नई बात लगती है। इस नैतिकविहीनता पर न तो आरोप लगाया जा सकता है और न मामला बनाया जा सकता है। यह ऐसी घपलेबाजी है। अब जनता के पास बचा ही क्या, जिसे वे नेता लोग हासिल कर पाएंगे?

बहुत हैं। कर हैं, शुल्क हैं, चीजों की कीमतें हैं, खरीद-फरोख्त हैं, दंड हैं, जीएसटी हैं। सारे में बस निचोड़ लेना ही है।

माना कि निचोड़ लिए, लेकिन फिर बांट देंगे। इसमें उनका फायदा क्या होगा?

जनता को तकलीफ न हो, इस तरीके से गुप्त आक्रमण से करों, शुल्कों, महंगाई के नाम पर भरपूर निचोड़ लेना और फिर उसे ही दान वीर कर्ण की भांति अपने हाथों से भरपूर बांटना। इस बांटने में अपनी साख, पार्टी के रंग, नेताओं की विशाल हृदयता और ख्याति अपनी जेब में भर लेना।

गरीबों को चावल दे रहे हैं न। सौ का नोट छुड़ाए बिना चूल्हे पर न आ पाती हैं दाल, तेल। माहो दामों ज्यादा बिना न आने वाले गैस सिलेंडर के बिना राशन का चावल भी तो नहीं पकेगा। सौ सौ के नोटों के बिना कैसे आएंगी थैली में सब्जियां? बाजार आते जाते स्कूटर के लिए पेट्रोल कैसे आयेगा? यह तो कीमतों का आक्रमण है। घर में टीवी और सिनेमा दोनों का भार बढ़ गया है। आसमान छूते बस किराए और बिजली के दाम। सस्ते में आदत डलवा कर अब महंगे होते जा रहे सेलफोन के प्रभाव। घर बार बर्बाद करने पर आमदा निजी अस्पतालों की फीस। बीमारी छोटी भी हुई तो हजारों का फटका और थोड़ी बड़ी बीमारी हुई तो लाखों का झटका। इस पर जनता महंगाई में यह तक सोचने लगी है कि जान रहे या ना रहे क्या फर्क पड़ता है? ऐसे जीने से तो.....इस तरह जनता पर जबरदस्त झटके वाली महंगाई की मार है।

स्कूल में भोजन और पढ़ाई तो मुफ्त ही है न? नाम के लिए है मुफ्त भोजन योजना। अच्छा भोजन जिससे शक्ति और पोषक तत्व मिलते हैं कहां है? बस औपचारिक भोजन और गुणवत्तारहित पढ़ाई। आ रही पीढ़ी अभी से मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर हुई जा रही है। बस स्कॉर्ड्स में भरने के लिए भोजन और निशुल्क पढ़ाई है सिर्फ कहने मात्र के लिए। क्या इससे उद्देश्य पूरे हो रहे हैं? जनता को कोई विशेष फायदा मिल रहा है? छात्रों को आगे बढ़ाने छात्रवृत्ति भी तो दे रहे हैं। कितनी अच्छी बात है? सरकार राशि जारी नहीं करती महाविद्यालय तो निचोड़ कर शुल्क वसूलते हैं। शुल्क बिना कक्षाओं में जाने से वंचित, पढ़ाई न कर पाने की हालत हो गई है। ऐसे में मस्तिष्क में न आती और केवल उपाधियों में दिखती पढ़ाई से न कोई रोजगार मिलता है और न कोई स्वरोजगार कर पाते हैं। बेरोजगारों की संख्या में इजाफा के अलावा कोई फायदा नहीं। किसानों का कल्याण ही तो नेताओं का लक्ष्य है। किसानों को मदद की बात करते हैं उसके जेब में कुछ पैसे डाल कर। बीज, खाद, कीटनाशक दवाइयां पहुंच से बाहर के दरों में कैसे लें। मिलावट, तौल, धोखाधड़ी, बाजार में माल बेच पाना ये सारी अतिरिक्त आपदाएं हैं। अंत में अन्नदाताओं की आत्महत्याएं। क्या यही कृषकों का कल्याण है? वृद्धों, दिव्यांगों, महिलाओं को पेंशन बांट रहे हैं न? बढ़ती कीमतों के आगे पेंशन कितना फायदेमंद है? बोलो! दिव्यांगों और महिलाओं को कोई रोजगार उपलब्ध कराए बिना, वृद्धों का उचित इलाज कराए बिना सिर्फ पेंशन बांटने से हो जाएगा कल्याण? मुफ्त बांटने वाले नेताओं को मिलने वाला फायदा वोट ही तो है। उससे अधिक क्या होगा? जनता से करों और शुल्कों के रूप में पैसा वसूल कर, मुफ्त में बांटकर वोट, सीट और पद पाते हैं। यह सब बाहरी दिखावा मात्र है। अधिकार देने वाली सत्ता, पद देने वाली सत्ता सड़कें, परियोजनाएं, भवन, ठेकेदारी, पूंजी, उद्योग लाकर आपके हाथ पर धर देती है। गुप्त रूप से रचे कूटनीति से गुपचुप कमीशन तो अतिरिक्त आय है। यह सब पाना है तो कुर्सी हासिल करना होगा। इसलिए निशुल्क का नाटक और मुफ्त का मजमा लगाना होगा। उसके लिए फिर जनता को ही निचोडना होगा। यह एक दूसरे के साथ जुड़ी हुई चक्रीय स्थिति है। सभी खिलाड़ी हैं। सिर्फ सामान्य जन ही यज्ञ की समिधाएं हैं, जो जलकर सोना देते हैं इन नेताओं को। अगर जनता से जबरदस्ती निचोड़ा जा रहा है तो क्या जनता को पता नहीं चल रहा? मतदाता या वोटर पैदा होते ही किसी न किसी निशुल्क या मुफ्त योजना का लाभ लेने वाला लाभार्थी होता है। जैसे-जैसे बढ़ता है अतिरिक्त निशुल्क योजनाएं उसके साथ जुड़ती जाती हैं। अंत में उसकी मौत भी निशुल्क योजना में होती है। इस तरह पैसे दो पैसे वाली योजनाओं में ही जनता खुश है, लेकिन सरकारी महोदय सारे अपनी बड़ी-बड़ी तिजोरियां भर, भोजन करते रहते हैं। यह सब थपड़ मार कर मरहम लगाने वाली बात है। पेट पीठ एक कर भूखों मरने के बाद भी पता नहीं जनता कब चेतेगी? कब उसके ज्ञान चक्षु खुलेंगे और यथार्थ को जान पाएगी? उस दिन की प्रतीक्षा बहुत दिनों से कर रहे हैं हम सब।

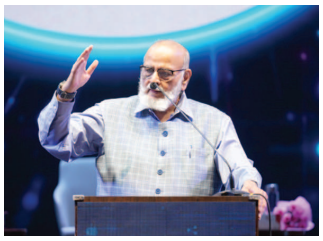

इननोवेटिंग इंडिया' पर उद्योगपतियों, प्रबंधन विशेषज्ञों एवं विचारकों ने गहन चिंतन किया

इंदौर। 'स्टार्टअप संवर्धन' कार्यक्रम की सफल पूर्णता के पश्चात 33वें आईएमए इंटरनेशनल मैनेजमेंट कॉन्क्लेव 2026 के दूसरे दिन 'इननोवेटिंग इंडिया' विषय पर देश-विदेश के प्रख्यात उद्योगपतियों, प्रबंधन विशेषज्ञों एवं विचारकों ने गहन चिंतन-मंथन किया।

इस वर्ष कॉन्क्लेव की केंद्रीय थीम थी – * 'इननोवेटिंग इंडियाः स्वदेशी, स्वाभाविक, स्वनिर्मित '*, जो आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की दिशा में एक स्पष्ट दृष्टि प्रस्तुत करती है। कार्यक्रम का शुभारंभ शास्त्रीय संगीत एवं वाद्य यंत्रों की मनमोहक प्रस्तुति से हुआ, जिसने आयोजन को गरिमामय एवं सांस्कृतिक वातावरण प्रदान किया। आईएमए के अध्यक्ष नवीन खंडेलवाल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि 'स्वदेशी, स्वाभाविक, स्वनिर्मित' केवल एक विचार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक व्यवहारिक मार्ग है। कॉन्क्लेव के दौरान डॉ. निरंजन हिरानंदानी को आईएमए लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में दूरदर्शी नेतृत्व एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए सराहा गया। सम्मान ग्रहण करते हुए उन्होंने कहा कि सफलता कभी भी अकेले व्यक्ति की उपलब्धि नहीं होती, बल्कि सामूहिक प्रयास का परिणाम होती है। उद्घाटन सत्र

डॉ. हिमांशु राय (निदेशक, आईआईएम इंदौर) ने वर्तमान वैश्विक परिदृश्य को बानी (ब्रिटटले ,अन्सियस नॉन-लीनियर, इनकंप्रेहेंसिबले) विश्व की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि आज का समय अनिश्चितताओं से भरा है, जहाँ परिस्थितियाँ तेजी से बदल रही हैं। डॉ. अभय फिरोदिया (चेयरमैन, फोर्स मोटर्स) ने भारतीय मूल्य-आधारित सामाजिक व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समृद्ध समाज की नींव रक्षा, उत्पादन, संचार, व्यापार, कला और शिक्षा जैसे प्रमुख स्तंभों पर आधारित होती है। डॉ. निरंजन हिरानंदानी ने अपने उद्बोधन में पुनः रेखांकित किया कि निरंतर सुधार, अनुशासन और सामूहिक सहयोग ही सतत विकास की कुंजी है।

सत्र 2 - कूलिंग इंडिया, पावरिंग इंडिया, कनेक्टिंग इंडिया

इस सत्र में भारत के बुनियादी ढाँचे, ऊर्जा और डिजिटल परिवर्तन पर चर्चा की गई। मुकुंदन मेनन (प्रबंध निदेशक, वोल्टास लिमिटेड) ने कहा कि भारत विकास के एक निर्णायक मोड़ पर है। उन्होंने बताया कि देश 'जुगाड़' की मानसिकता से आगे बढ़कर विश्वस्तरीय नवाचार की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। मुरली रंगनाथन (कॉर्पोरेट वीपी एवं स्फो, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड) ने टियर-2 शहरों, विशेषकर इंदौर, में डेटा सेंटर के विस्तार को डिजिटल आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण बताया। शरद अग्रवाल (सीईओ, सिफी डेटा सेंटर, सिफी टेक्नोलॉजीज लिमिटेड) ने कहा कि अब समय योजना से आगे बढ़कर कृत्रिम बुद्धिमत्ता को प्रभावी रूप से लागू करने का है।

सत्र 3 - टर्निंग ट्रेडिशन्स इंटू ब्रांड्स

इस सत्र में परंपराओं को आधुनिक ब्रांड में परिवर्तित करने की रणनीतियों पर चर्चा हुई। शशांक अनुमुला (मैनेजिंग डायरेक्टर, कैफ़े नीलोफर) ने कहा कि किसी भी ब्रांड की वास्तविक सफलता उसके प्रति उपभोक्ताओं के भावनात्मक जुड़ाव पर निर्भर करती है।

दीपक संघवी (सीएमडी, निलॉन्स एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड) ने कहा कि व्यवसाय में विश्वास और गहराई से विस्तार दीर्घकालिक सफलता का आधार है।

सत्र 4 - मनी इन मोशनः फ्रॉम सेविंग टू स्ट्रेटेजी

इस सत्र में भारत की आर्थिक प्रगति और वित्तीय परिवर्तन पर विचार प्रस्तुत किए गए।

श्री तेजस गुटका (इक्विटी फंड मैनेजर, इलेक्ट्रम कैपिटल) ने कहा कि भारत के विकसित राष्ट्र बनने की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। उन्होंने विनिर्माण और निर्यात में तीव्र वृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि आपूर्ति श्रृंखला को और मजबूत किया जाए तो 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य साकार किया जा सकता है।

रितेश गुप्ता (लीडरशिप टीम - होलसेल बैंक,आईडीएफसी फर्स्ट बैंक) ने कहा कि डिजिटल भुगतान प्रणाली बैंकिंग को अधिक सुलभ और प्रभावी बना रही है

सत्र 5 - 'स्व से स्व की बात'

स्वानंद किरकिरे ने अपने जीवन के संघर्षों और अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि सफलता का मार्ग कभी सीधा नहीं होता। उन्होंने कहा कि असफलताएँ हमें सिखाती हैं और आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।

सत्र 6 - स्वाभाविक नेतृत्वः भारतीय मार्ग

अतुल सत्य कौशिक ने भारतीय नेतृत्व की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सच्चा नेतृत्व चरित्र, कर्तव्य और नैतिक मूल्यों पर आधारित होता है

इंटर स्टेट/स्लिपर बस संचालको के साथ बैठक....,

बसों के सुरक्षित परिचालन हेतु दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

इंदौर । यात्रियों एवं नागरिकों की सुविधा व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, शहर में इंटर सिटी/ स्लीपर बसों के सुरक्षित संचालन हेतु पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में, इन्दौर शहर से संचालित विभिन्न बसों के संचालको/प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन आज दिनांक 27.02.26 को पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सभागार में किया गया। उक्त बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) नगरीय इंदौर श्री आर. के. सिंह की विशेष उपस्थिति में पुलिस उपायुक्त

(प्रभारी यातायात) इंदौर श्री राजेश कुमार त्रिपाठी सहित यातायात प्रबंधन पुलिस के सभी अति. पुलिस उपायुक्तगण, सहायक पुलिस आयुक्तगण, एआरटीओ श्री राकेश गुप्ता एवं शहर के विभिन्न बसों के प्रशासकगण एवं बसों के ट्रांसपोर्ट अधिकारीगण उपस्थित रहें। बैठक में यात्रियों एंव नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, रोड़ पर बसों के सुरक्षित संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। एडिशनल कमिश्नर आर. के. सिंह ने सभी बस प्रशासकों और ट्रांसपोर्ट अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि, यात्रियों व नागरिकों की सुरक्षा तथा सुरक्षित यातायात हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता व जिम्मेदारी है, इसके लिये माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा बस प्रबंधन/बस चालकों एवं संचालकों के लिये जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें व सुरक्षित रूप से बसों का परिचालन करें।

पिज्जा हट पर गंदगी, 25 हजार जुर्माना लगा किया सील

इन्दौर । फूटी कोठी चौराहा स्थित पिज्जा हट पर निगम स्वास्थ्य विभाग टीम ने स्वच्छता निरीक्षण अभियान के तहत सख्त कार्रवाई की गई। निगम जोन 15 के वार्ड 83 में निरीक्षण के दौरान वहां पहुंचे क्षेत्रीय स्वच्छता निरीक्षक योगेश कल्याणे को पिज्जा हट के आसपास और तलघर में भारी मात्रा में कचरा और गंदगी मिली। जिसको लेकर चालानी कार्रवाई शुरु की, तो प्रबंधक ने जुर्माना भरने से साफ इनकार कर दिया। जिसके बाद कल्याणे ने सहायक राजस्व अधिकारी की टीम को बुलाया और दुकान को सील कर दिया। 2 घंटे बाद प्रबंधक ने फोन कर चालान की इच्छा जताई। इसके बाद निगम की टीम ने पिज्जा हट पर 25 हजार रुपए जुर्माना लगा वसूले।

कार में तोड़फोड़ करने वाले दो धराए

इन्दौर । सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने घर के बाहर खड़ी कार में तोड़फोड़ करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की जांच की जा रही है। मामला एरोड्रम थाना क्षेत्र का है।? थाना प्रभारी तरुण भाटी के अनुसार अशोक तंवर निवासी भोलेनाथ कॉलोनी, एयरपोर्ट रोड ने पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराते बताया था कि कल 26 फरवरी की रात करीब 2 बजे अज्ञात बदमाशों ने उनकी हुंडई वर्ना कार जो कि घर के बाहर पार्क की गई थी पर हमला कर शीशे और बॉडी को क्षतिग्रस्त कर दिया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की बारीकी से जांच की और उनके फुटेज के आधार पर रूद्राक्ष और अंशु, दोनों निवासी एरोड्रम, को चिन्हित कर गिरफ्तार किया । पूछताछ में सामने आया कि फरियादी का पूर्व में युवराज बैस नामक युवक से विवाद चल रहा था। उसी रंजिश के चलते बदला लेने की नीयत से यह हमला करवाया गया।

म.प्र. इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री गोपाल सिंह पिता श्री भंवर सिंह, रणमलबिल्लोद, तहसील देपालपुर जिला इंदौर का स्वर्गवास दिनांक 01.02.2025 को हो गया है। श्री गोपाल सिंह पिता श्री भंवर सिंह के वैध वारिस एवं उत्तराधिकारी के रूप में श्रीमति कृष्णा कुंवर पति गोपाल सिंह, देवेन्द्र सिंह सोलंकी पिता गोपाल सिंह (शपथ पत्र के अनुसार) द्वारा दावा प्रस्तुत किया हैं। तथा उक्त वारिसान के द्वारा निगम के अभिलेखो में उत्तराधिकारी के रूप में अपना नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया हैं। इनके द्वारा दर्शाया गया हैं कि उक्त वारिसान के अतिरिक्त श्री गोपाल सिंह पिता श्री भंवर सिंह का कोई वैध वारिसगण नहीं हैं। उक्त वारिसान बाबत जिस किसी व्यक्ति, या अन्य किसी को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर मय लिखित दस्तावेज एम.पी.आई.डी.सी.लि., प्रथम तल, अतुल्य आई.टी. पार्क, क्षेत्रीय कार्यालय, इंदौर में लिखित आपति दर्ज कराये अन्यथा उक्त अवधि के बाद कोई आपति मान्य नहीं की जावेगी यह सूचित होवें।

(कार्यकारी संचालक)
म.प्र. इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय इंदौर

माहेश्वरी समाज वंचितों के लिए काम करने की अपनी पूर्वजों की विरासत को कायम रखे

इंदौर। सामाजिक संगठनों को अभावग्रस्त, वंचित परिवारों के उत्थान के लिए काम करना चाहिए। अपने लिए जीये, जीये तो क्या जीये, इस भाव को पल्ल्वत करने का काम हमेशा माहेश्वरी समाज का रहा है, इसलिए हमारे समाज का देश में विशिष्ट स्थान है ।

आज हमारे पूर्वजों ने आजादी की लड़ाई में तन, मन और धन से काम किया है। यदि हमारे पूर्वज तब स्कूल, धर्मशाला, गौशाला, अस्पताल आदि नहीं बनाते तो हमें विरासत में क्या मिलता। आज की पीढ़ी का दायित्व है कि वह भी इस विरासत को और आगे बढ़ाए। यह बात लोक सभा स्पीकर ओम बिरला ने श्री माहेश्वरी समाज इंदौर जिला एवं महेश जनसेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संवाद महोत्सव को संबोधित करते महेश्वरम भवन हुए कही। श्री बिरला ने उपस्थित समाजजनों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे मन में भाव होना चाहिए कि जो कुछ है समाज का है और संपूर्ण समाज हमारा है। हम जो भी

कमाते हैं उसका एक निश्चित हिस्सा हमें समाज के लिए देना चाहिए। आज जब हम पर आपदा या चुनौती आएगी तो हम अपने समाज को अपने साथ खड़ा पायेंगे। आपने कहा कि हमारे पूर्वजों ने हर तरह से देश के लिए काम किया। किसी ने अंग्रेजों के खिलाफ, किसी ने राजाओं का साथ देकर, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मदद कर, किसी ने संस्कृति और संस्कार देकर, लेखकों ने आंदोलन की ज्वाला जलाई तो महिलाओं ने स्वदेशी की अलख जगाकर देश के आजादी में अपना योगदान दिया। आयोजन को संबोधित करते हुए सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि सदन में नए सांसदों को बोलने का अवसर श्री बिरला ने दिलवाया। आपने माहेश्वरी समाज के कार्यों की प्रशंसा करते हुए इसे एक प्रगतिशील समाज बताया। इस अवसर पर श्री माहेश्वरी समाज इंदौर जिला की पत्रिका समाज संगठन के नए अंक का विमोचन राम मूंदड़ा ने बिरला एवं लालवानी के हाथों करवाया। स्वागत भाषण अध्यक्ष डॉ सत्यनारायण मंत्री ने दिया। अतिथियों का स्वागत समाज अध्यक्ष डॉ मंत्री, ओमप्रकाश पसारी, मुकेश असावा, संजय मानधन्या, गौरीशंकर लखोटिया, राजेश सोमानी, प्रह्लाद सेठ, अजय सारड़ा, रामनिवास राठी, राधेश्याम काबरा ने किया। समाज द्वारा 11 - 12 अप्रैल को आयोजित व्यापार महोत्सव के लोगो का अनावरण दिनेश परवाल, भरत तोतला और सुमित मंत्री ने बिरला के हाथों करवाया। जनसेवा ट्रस्ट के अभिनंदन पत्र का वाचन संजय मानधन्या ने किया। ओमप्रकाश पसारी, उमाशंकर बिहानी बिरला को अभिनंदन पत्र भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन मुकेश असावा ने किया एवं आभार नीलेश सारड़ा ने माना।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार UMMEED HOUSING FINANCE LIMITED के समक्ष अमित अवस्थी पिता श्री शिव कुमार अवस्थी निवासी 72, सेक्टर-बी, कुशवाह नगर इन्दौर ने 72/6, कुशवाह नगर, सेक्टर-बी, इन्दौर (म.प्र.) पर स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 600 वर्गफीट है। प्रतिभूति स्वरूप बंधक रखा जाना प्रस्तावित है। सदर सम्पत्ति पर श्री शिवकुमार अवस्थी पिता श्रवण कुमार अवस्थी का नाम स्वामित्व नाते इन्दौर नगर पालिका निगम, इन्दौर (म.प्र.) के सम्पत्ति कर विभाग में दर्ज है। उपरोक्त सम्पत्ति अथवा इस विक्रय व्यवहार पर किसी बैंक, व्यक्ति, शासकीय, अर्द्धशासकीय, निकायो को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन से 7 दिन के अंदर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेजी सबूत के पेश कर अपनी आपत्ति दर्ज करावें। बाद मियाद ऋणग्रहीता गण के पक्ष में पंजी. विक्रय पत्र के निष्पादन पश्चात ऋण राशी का वितरण कर दिया जावेगा। तथा किसी प्रकार की आपत्ति मेरे पक्षकार/बैंक अथवा क्रेतापक्ष पर बंधनकारी नहीं होगी। सो विदित होवे।

सचिन चौहान (एडवोकेट)
एल.जी. 03, अपोलो स्क्वायर, 7/2 रोशनसिंह भंडारी मार्ग, इन्दौर
मो.नं.- 7225888885, 7987689899